मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 243, मुंबई, सोमवार, 7 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

पुणे में रूस की वैक्सीन का ट्रायल शुरू

17 लोगों को दिया गया टीका

पुणे। कोरोना वायरस का टीका बनाने को लेकर हो रही सारी कवायदों के बीच एक अच्छी खबर है। दरअसल, महाराष्ट्र में पुणे के एक अस्पताल में मानव परीक्षण के तहत 17 स्वयंसेवकों को रूस का स्पुतनिक वी कोरोना वायरस टीका लगाया गया है। डॉक्टरों ने रविवार को यह जानकारी दी। यह टीका गामालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर एपिडेमियोलोजी एंड माइक्रोबायोलॉजी और रूसी डायरेक्ट इनवेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) द्वारा मिलकर विकसित किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

किसान आंदोलन पर पवार की मोदी सरकार को चेतावनी

'अब जाग जाने का वक्त'

दिल्ली बॉर्डर पर 10 दिन से डटे हैं किसान

संवाददाता

मुंबई। केंद्र सरकार के साथ पांचवे राउंड की बातचीत असफल रहने के बाद किसानों ने अब 8 दिसंबर को भारत बंद का ऐलान किया है। कई राजनीतिक दलों ने इसे समर्थन दिया है तो कई नेताओं ने किसान आंदोलन को लेकर चिंता भी जताई है। एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार का कहना है कि अगर जल्द से जल्द समाधान नहीं हुआ तो देशभर के किसान पंजाब-हरियाणा के किसानों के साथ आंदोलन में शामिल हो जाएंगे।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

किसानों के राष्ट्रव्यापी बंद को शिवसेना का समर्थन

शिवसेना सांसद संजय राउत ने ट्वीट करके कहा, 'किसान अन्नदाता हैं, इसलिए उनके प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी के नाते देश की जनता को भी किसानों के बंद में स्वेच्छा से हिस्सा लेना चाहिए। शिवसेना किसानों की मांगों और 8 दिसंबर के भारत बंद में उनके साथ है जय हिंद!'

केंद्र के साथ पांचवे राउंड की बातचीत फेल होने के बाद किसानों ने 8 दिसंबर को किया भारत बंद का ऐलान

लालबाग इलाके में सिलिंडर ब्लास्ट

एक की मौत, 20 घायल

संवाददाता

मुंबई। मुंबई के लालबाग इलाके में सिलिंडर ब्लास्ट के चलते एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इस घटना में कुल 20 लोग घायल हो गए। घटनास्थल पर दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और दो जंबो टैंकर मौजूद रहे। यह जानकारी बृहन्मुंबई नगर निगम ने दी है। मुंबई मेयर किशोरी पेडनेकर ने किंग एडवर्ड मेमोरियल (केईएम) अस्पताल में जाकर घायलों से मुलाकात की। एक फायर ऑफिसर ने बताया, मुंबई के लालबाग इलाके में रविवार सुबह चार मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से 20 लोग घायल हो गए थे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

वैक्सीन की ओर

भारत को अपने वैक्सीन का इंतजार है और जल्दी ही वह वैक्सीन तैयार करने में सफल हो जाएगा। शुक्रवार को सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री ने जो विश्वास जताया, उसकी रोशनी में वैज्ञानिकों को पूरी त्वरा के साथ लक्ष्य तक पहुंचने के प्रयास करने चाहिए। देश में कोरोना के मामले एक करोड़ की ओर बढ़ रहे हैं और जान गंवाने वालों की संख्या एक लाख चालीस हजार तक पहुंचने वाली है। देश में एक मुकम्मल वैक्सीन की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट कर दिया कि उन्हें पूरा विश्वास है, भारतीय वैज्ञानिक वैक्सीन बनाने में सफल हो जाएंगे। करीब आठ टीके विकसित किए जा रहे हैं और वे परीक्षण के अलग-अलग चरण में हैं। ज्यादातर टीकों का निर्माण भारत में भी होगा। भारत के तीन टीके भी परीक्षण के अलग-अलग चरण में हैं। पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद में विशेष रूप से वैक्सीन विकास का काम चल रहा है और प्रधानमंत्री इन प्रयासों से निरंतर संपर्क में हैं। शायद इसी आधार पर उन्होंने कहा कि सबसे सस्ते और सुरक्षित टीके पर दुनिया की निगाह है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैक्सीन का इंतजार लंबा नहीं होगा, बस अब कुछ ही हफ्तों की बात है। सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री का उत्साह निश्चित ही वैक्सीन की खोज को बल प्रदान करेगा। फिर भी किसी भी प्रकार की अनुचित जल्दी या जोखिम से बचते हुए ही भारत को अपनी वैक्सीन के साथ सामने आना चाहिए। चूंकि भारत दवा निर्माण में अग्रणी है, चूंकि यहां बनी दवाइयां अपेक्षाकृत किफायती होती हैं, इसलिए यहां बनी वैक्सीन भी दुनिया को राहत पहुंचाएगी। खासकर, दक्षिण एशिया के देशों, दुनिया के अन्य गरीब व विकासशील देशों को निश्चित ही भारत से उम्मीद होगी। सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री ने जो विश्वास जताया है, उसकी गूंज पूरी दुनिया में जाएगी। वस्तुतः अभी जो टीके बाजार में आते दिख रहे हैं, वे महंगे होंगे, लेकिन भारत के टीके से सस्ता रहने की उम्मीद है, दूसरी ओर, सरकारों को अपने स्तर पर भी वैक्सीन की कीमत के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए। सर्वदलीय बैठक में विमर्श की दिशा इस ओर भी थी। देश के तमाम राज्यों में वैक्सीन का तार्किक या एक समान मूल्य रखना होगा। चुनौती उन इलाकों या राज्यों में भी आएगी, जहां राजनीतिक पार्टियों ने मुफ्त टीके का वादा कर रखा है। मुफ्त टीके का अर्थ है, सरकार पर ज्यादा बोझ पडेगा। ऐसे में, यह व्यावहारिक रूप से जरूरी है कि भारत में जो टीका बने, वह सस्ता हो। सर्वदलीय बैठक में यह संकेत भी मिला है कि वैक्सीन की लागत को केंद्र व राज्य सरकारों को मिलकर उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। तो क्या वैक्सीन महंगी रहने वाली है? भारत जैसे गरीबों के देश में यह सवाल वाजिब है, लेकिन सुखद तथ्य है, प्रधानमंत्री सार्वजनिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देना चाहते हैं। कोरोना पर आयोजित इस बैठक में लगभग सभी प्रमुख दलों की भागीदारी भी स्वागतयोग्य है। विभिन्न दलों से अपने-अपने सुझाव लिखित में देने को भी कहा गया है। यह महासंकट का समय है, जिस पर सभी दलों से सकारात्मक रहने की उम्मीद गलत नहीं होगी। यह विषय बहुत संवेदनशील है। टीकाकरण की नीति समय रहते स्पष्ट, तार्किक और न्यायपूर्ण बनानी चाहिए, ताकि किसी दल या व्यक्ति को शिकायत का मौका न मिले।

संस्कृति की तस्बीह के दानों का सवाल

नरेंद्र भाई मोदी, लगता है कि, यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि किसानों के आंदोलन ने उनकी लोकप्रियता-दर को पिछले दस दिनों में कहां-से-कहां ला पटका है? जिंदाबाद के नारे लगाते अनुचरों, हां-में-हां मिलाते वजीरों, लकीर के फकीर कारकूनों और मजीरा-वादन कर रहे मीडिया द्वारा प्रदत्त गुनगुने लिहाफ में पैर पसारे पड़े हमारे प्रधानमंत्री अपने ताजा राज-ऋषि रूप पर ऐसे गर्वित हैं कि उनकी आंखें बेतरह उनींदी हो गई हैं। अपनी ड्योढ़ी पर ठंड में खुले आसमान के नीचे पड़े किसानों की ठिठुरन इतने निष्ठुर भाव से देखने का पराक्रम नरेंद्र भाई में ही हो सकता है। सामान्य मनुष्य तो ऐसे में कब का पानी-पानी हो गया होता! यह भी मान लें कि दिल्ली की दहलीज पर डटे किसान इतने शातिर हैं कि बात का बतंगड़ बना रहे हैं; कि वे कुछ राजनीतिक शक्तियों की कठपुतली हैं और सरकार को नाहक बदनाम कर रहे हैं; कि उनके बीच कुछ देशविरोधी तत्व घुस गए हैं और उन्हें भड़का रहे हैं; तो भी क्या एक निर्वाचित प्रधानमंत्री और उसकी सरकार को कानों में रुई ठूंस कर बैठे रहने का अधिकार हमें देना चाहिए? अगर यह बगूला नाहक उठा है तो सरकार श्वेत-पत्र जारी कर दे। अगर सियासी ताकतों ने किसानों को बरगला दिया है तो सरकार उन्हें बेनकाब कर दे। अगर आंदोलन को पीछे से राष्ट्र-विरोधी चला रहे हैं तो सरकार उन्हें फौरन जेल भेज दे। मगर किसानों से बातचीत को चरण-चरण लंबा खींच कर उनके बिखर जाने की कुचालें तो न चले!

मैं तो समझता था कि जो आंदोलनों से जन्मते हैं, उनमें असहमति के स्वरों को सुनने-गुनने की एक अतिरिक्त संवेदना होती है। लेकिन फिर मुझे लगा कि यह इस पर निर्भर करता है कि कौन किस तरह के आंदोलन से जन्मा है! सारे आंदोलन अर्थवान ही नहीं होते! अगर आपका जन्म ऐसे आंदोलनों के गर्भ से हुआ है, जो सामाजिक ध्रुवीकरण का लक्ष्य रख कर रचे गए हैं तो आप अपने जीवन भर उसी तरह की रचनाओं के मकड़जाल बुनने के अलावा क्या करेंगे? नकारात्मक मंशा की बिसात पर बिछाए गए आंदोलनों से उपजे नायकों को किसानों की मासूम आह में भी साजिशों की बू नहीं आएगी तो क्या माटी की सोंधी महक महसूस होगी?

नरेंद्र भाई, अब मार्गदर्शक मंडल में ठेल दिए गए लालकृष्ण आडवाणी के, रथ पर बैठ कर यहां तक पहुंचे हैं। वे अपने तमाम वैयक्तिक और सामुदायिक शत्रुओं को सबक सिखाते-सिखाते रायसीना पहाड़ियों के लायक बने हैं। जो उनके विचारों के साथ नहीं है, वे उसे असहमत की श्रेणी में रखने की उदारता को मूर्खता मानते हैं। वे मानते हैं कि या तो आप साथ हैं या फिर गद्दार। बीच में कुछ नहीं होता। सब इस पार है या उस पार। इसलिए बिना किसानों से पूछे-ताछे जो तीन कानून नरेंद्र भाई की सरकार ने बना दिए हैं, या तो उन्हें वेद-वाक्य मानो, या फिर जो करना है, कर लो। वेद की ऋचाएं पावन ऋषियों ने एक बार लिख दीं तो लिख दीं। उनमें संशोधन का हक क्या अब इन पतित किसानों को दे दें? इसलिए आपको जितनी आस लगानी हो, लगा लीजिए; मुझे पूरा विश्वास है कि नरेंद्र भाई किसानों के सामने कतई नहीं झुकेंगे। किसानों के लिए तीन कानून उन्होंने कोई बैठे-ठाले नहीं बनाए हैं। पूरी तरह सोच-समझ कर बनाए हैं। ये कानून खेती-किसानी के अमेरिकी सपने को भारत की धरती पर उतारने के लिए बने हैं। ये दुनिया भर में महानगरीकरण के समर्थकों के ख़्वाब-बीजों को अंकुरित करने के मकसद से बने हैं। इनके पीछे गांवों और कस्बों के भावनात्मक संसार को तबाह कर मशीनी शहरों की बेमुरव्वत कतार खड़ी करने की सोच का हाथ है। अगर खेती की शक्ल ऐसी ही रहेगी; अगर किसान, फटेहाली में ही सही, जिंदगी बसर करता रह सकेगा; तो शहरों को अपने दिहाड़ी-कर्मी कहां से मिलेंगे? सो, शहरों की शामें गुलजार रखने के लिए खेतों की सुबह तो बर्बाद होनी ही है। जब अमेरिका में सिर्फ.दो प्रतिशत लोग ही किसान रह गए हैं तो भारत में 55 प्रतिशत को किसान बने रहने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? इसलिए खेती अब किसान नहीं, अंबानी-अडानी करेंगे। खेत उनके होंगे, उपज उनकी होगी, दाम उनके होंगे। आपका तो बस चाम-ही-चाम होगा। दो बीघा जमीन के ही सही, अभी मालिक तो हैं। सो, यह स्वामित्व-भाव समाप्त करना जरूरी है। हम में दास-भाव जब तक नहीं पनपेगा, सुल्तानों का संसार कैसे चलेगा?

आपने देखा नहीं कि लाखों स्क्वेयर फुट की चमकीली इमारतों से चलने वाली विपणन श्रंखलाओं ने भारत के खुदरा बाजार की क्या हालत कर डाली है? अपनी छोटी-मंझली पंसारी-दूकान चलाने वाला अब दूसरों के महल-बाजार में नौकर बन कर खड़ा है। आपने देखा नहीं कि ऑनलाइन-मार्केट के महिषासुरों ने कैसे सारे टापुओं को लील डाला है? बाजार के शब्दकोष से 'बिचौलिया' जैसा नाक-सिकोड़ू शब्द हटाने का पवित्र उपक्रम करने के बहाने जो हो रहा है, वह संस्थागत-बिचौलियों को सुदृढ़ बनाने के लिए है। रामनिवास और घसीटाराम को तो आप बिचौलिया, आढ़तियां, दलाल, कमीशन एजेंट, कुछ भी कह लेंगे; मगर मुकेश भाई अंबानी और गौतम भाई अडानी को इन नामों से पुकारते वक़्त आपकी जुबान खुद ही कट नहीं जाएगी? कारोबार का मूल-चरित्र भले ही वही हो, सबकी भाभी तो गरीब की जोरू ही समझी जाती है।

खेती को सांस्कृतिक उत्सव मानने के दिन अब लद रहे हैं। अब वह कलियुगी कारोबार बनेगी। यह किसान से अन्नदाता का खिताब वापस ले कर उसे अंबानी-अडानी की पगड़ी पर टांकने की तैयारियों का दौर है। सरमाएदारों की हुकूमतें हमेशा इस यकीन पर चलती हैं कि जो भी उनसे टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा। मगर बहुत बार सितारों की चाल उलटी भी हो जाती है। जब-जब ऐसा होता है, दूर-दूर तक यह पता तक नहीं चलता है कि कब, कौन, कहां, किससे टकरा कर चूर-चूर हो गया। मुझे आगत के आसार ऐसे ही चूर-चूर दौर के दिखाई देते हैं। पिछले छह साल से रिस-रिस कर इकट्ठा हो गए क्षोभ का यह संकेंद्रण इतना गहरा गया है कि अगले छह महीने बीतते-बीतते न जाने कैसे-कैसे आंदोलन आकार लेते हम-आप अपनी आंखों से देखेंगे। घाघ-भड्डरी के बारे में जो जानते हैं, वे जानते हैं कि उनका कहना था कि 'खेती पाती बीनती, और घोड़े की तंग; अपने हाथ संभारिए, लाख लोग हों संग।' खेती, प्रार्थना पत्र और घोड़े की लगाम को अपने ही हाथ से ठीक करना चाहिए। इन मामलों में दूसरों पर भरोसा ठीक नहीं। उन्होंने एक बात और कही है। 'सावन मास बहे पुरवइया, बछवा बेच लेहु धेनु गइया।' अगर सावन महीने में पुरवैया हवा बह रही हो तो अकाल पड़ेगा।

इसलिए किसानों को चाहिए कि वे अपने बैल बेच कर गाय खरीद लें। अब जब प्रार्थना पत्र अपने हाथ में थामने को हमारे शासक तैयार ही नहीं हैं और सावन के मौसम में भी पूरब से आने वाली गर्म हवा के झौंके अपनी उपस्थिति जोर-शोर से दर्ज कराने लगे हैं तो क्या किसानों को सचमुच अपने-अपने बैल बेचने की तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए? हमारी पूरी संस्कृति की बुनियाद ही कृषि-कर्म पर टिकी है। हमारे सारे त्योहार, कर्म-कांड, मेले-उत्सव और नृत्य-गान किसानी-बागवानी की माला के मनके हैं। इस तस्बीह के दाने बिखेरने वालों को क्या हम ऐसे ही भूल जाएंगे?

मोदी झुकेंगे या किसान?

जवाब में याद करें उस भूमि अधिग्रहण बिल को जिसे सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने बनाया था। क्या हुआ उसका? किसानों का विरोध हुआ नहीं कि मोदी सरकार सरेंडर हो गई। उसके बाद किसानों को खुश करने के लिए किसान बीमा योजना से ले कर खातों में पैसा जमा करवाने जैसे दस झुनझुने प्रधानमंत्री मोदी ने सोचे। वह सरकार का पहला अंहम सुधार फैसला था जिससे पीछे हटने में उन्होने उतनी ही फुर्ती दिखाई जितनी बिना आगा-पीछा सोचे लाने में फुर्ती की थी। तब से अब तक मोदी सरकार के जितने बड़े अंहम सुधार वाले काम या कानून बनाने के फैसले है उन सबके ट्रेक रिकार्ड में या तो बिना आगा-पीछा सोचे फैसले लेना है या पीछे हटते हुए जान बचाने की रीति-नीति का है। जरा गौर करें मोदी सरकार की सुरक्षा-सामरिक नीति पर। पाकिस्तान और चीन को ले कर कभी लाहौर जा कर पकौड़े खाने, कभी सर्जिकल स्ट्राइक, कभी साबरमती नदी के किनारे शी जिन पिंग के साथ झुले झुलने और फिर डोकलाम, गलवान घाटी में धोखा खाने के व्यवहार का ट्रेक रिकार्ड है। ऐसे ही आर्थिक क्षेत्र में नोटबंदी और जीएसटी की रीति-नीति का अनुभव है। सबमें पहले बड़ी-बड़ी बाते, फैसले और मूछं वाली जिद्द लेकिन विरोध और असफलता तो या तो पीछे हटना या एक के बाद एक गोलपोस्ट बदलना। याद करे कि नोटबंदी की घोषणा किस उद्देश्य से हुई थी और बाद में मूल मकसद को छोड़ कर डिजिटल इकॉनोमी, जनधन खाते जैसे कितने गोलपोस्ट असफलता को छुपाने, लोगों को भरमाने के बने। ऐसे ही जीएसटी में छह महिनों में इतने संशोधन- फेरबदल हुए कि व्यापारियों की व आर्थिकी की ऐसी कमर टूटी कि छोटे कारोबारियों से ले कर अब राज्य सरकारों को भी मन ही मन लग रहा है कि इससे अच्छा तो पुरानी व्यवस्था ठिक थी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिना मास्कवालों को सामान नहीं देंगे दुकानदार, नहीं माना नियम तो होगी कार्रवाई

संवाददाता

मुंबई। कोरोना को काबू में करने के लिए बीएमसी ने एक नई पहल की है। मुंबई में अब बिना मास्क लगाए दुकान पर सामान लेने जाने पर दुकानदार सामान देने से इनकार कर देंगे। वे ऐसे लोगों से कहेंगे कि आप मुंह पर मास्क लगाकर आइए, तभी आपको सामान मिलेगा। बीएमसी ने इस संबंध में वॉर्ड लेवल पर अधिकारियों के जरिए दुकानदारों को इसकी चेतावनी दी है। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा, जब तक दवाई नहीं आ जाती, तब तक कोरोना से बचाव के लिए सबसे अच्छा तरीका मास्क लगाना है। मास्क लगाने की अपील करने के बावजूद मुंबई में रोज बिना मास्कवाले 12-13 हजार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की

जाती है। इसीलिए अब दुकानदार ऐसे लोगों को सामान नहीं देंगे, जो बिना मास्क पहने दुकान पर सामान लेने आते हैं। काकानी से जब यह पूछा गया कि बिना मास्कवाले ग्राहकों को सामान देने पर दुकानदारों के खिलाफ क्या बीएमसी दंडात्मक कार्रवाई करेगी, तो उनका कहना था कि अवश्य ही उन पर कार्रवाई होगी। जो दुकानदार बिना मास्क लगाए ग्राहकों को सामान देगा, उससे जुर्माना वसूला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में अलग से सर्कुलर निकालने की जरूरत नहीं है। काकानी ने आगे कहा कि लॉकडाउन की वजह से लोगों के आर्थिक लेन-देन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। अब लोग दोबारा संभलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कोरोना को फैलने से रोकने के लिए सख्ती बहुत जरूरी है।

इंटीरियर डिजाइनर की आत्महत्या का मामला

अर्नब के खिलाफ 1914 पन्नों की चार्जशीट दायर

पुलिस ने कहा- गोस्वामी के खिलाफ मजबूत डिजिटल एविडेंस

मुंबई। रायगढ़ पुलिस ने इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक सुसाइड केस में 1914 पन्नों की चार्जशीट दायर कर दी है। इसमें सबसे खास यह है कि रिपब्लिक टीवी के एडिटर-इन-चीफ अर्नब गोस्वामी के खिलाफ लगे प्रमुख आरोप को हटा लिया गया है। इससे पहले आरोप लगा था कि वे नाइक की आत्महत्या के मामले में उकसाने वाले मुख्य साजिशकर्ता में से एक थे। चार्जशीट में अब कहा गया है कि 2018 के इस मामले में वे आत्महत्या के लिए उकसाने वाले मुख्य साजिशकर्ता में शामिल नहीं हैं। हालांकि, चार्जशीट में अब भी धारा 306 (सुसाइड के लिए उकसाने) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा धारा 109 (अपराध के लिए उकसाना) भी जोड़ी गई है। इंटीरियर डिजाइनर अन्वय नाइक ने अपने सुसाइड नोट में अर्नब गोस्वामी, आईकास्टएक्स/स्कीमीडिया के फिरोज शेख और

स्मार्टवर्क्स के नीतेश शारदा को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया था। विशेष लोक अभियोजक प्रदीप घरात ने कहा कि आरोप पत्र में गोस्वामी के अलावा फिरोज शेख और नीतीश शारदा के नाम आरोपी के रूप में लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 65 लोगों को गवाह बनाया गया है। चार्जशीट में CrPC की धारा 164 के तहत 6 इकबालिया बयानों का उल्लेख भी है। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने कहा, 'गवाहों में मृतक के परिवार के सदस्य और उनके लिए काम करने वाले कर्मचारी हैं। इसके अलावा तीनों आरोपियों के कर्मचारियों का बयान भी इसमें शामिल किया गया है।' चार्जशीट में पुलिस ने कहा है कि उनके पास अर्नब और अन्य आरोपियों के खिलाफ मजबूत डिजिटल सबूत हैं। इसके अलावा अन्वय नाइक द्वारा आरोपियों को भेजे गए ईमेल भी आरोप की पुष्टि करते हैं। सुसाइड नोट को डाइंग डिक्लेरेशन मानते हुए आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप पत्र में कहा गया है कि क्राइम ब्रांच के फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट ने इसकी पुष्टि की है कि सुसाइड नोट अन्वय ने लिखा था। फोरेंसिक रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि वह नोट लिखते समय दबाव में नहीं थे।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे का पहला भाग एक मई से जनता के लिए खुलेगा

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे का नागपुर से शिर्डी तक का पहला हिस्सा अगले साल एक मई से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अमरावती जिले के नंदगांव-खंडेश्वर तालुका में शिवनी-रसूलपुर में निर्माण कार्य की समीक्षा के बाद यह घोषणा की। ठाकरे ने कहा, हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे समृद्धि एक्सप्रेसवे देश में सर्वश्रेष्ठ होगा और अगले छह महीने में शिर्डी तक का मार्ग यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेसवे के छह किलोमीटर हिस्से से गुजरते हुए यहां निर्माण कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा की।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पुणे में रूस की वैक्सीन का ट्रायल शुरू

खबरों के अनुसार भारत ने रूस से इस टीके की 10 करोड़ खुराक खरीदी है। यहां नोबल अस्पताल के 'क्लिनिकल रिसर्च डिपार्टमेंट' के प्रमुख डॉ. एसके राउत ने कहा कि मानव परीक्षण के तहत पिछले तीन दिनों में 17 स्वस्थ स्वयंसेवकों को स्पुतनिक टीका लगाया गया है। बृहस्पतिवार को यह प्रकिया शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि जिन्हें टीका लगाया गया है, वे सभी अगले कुछ दिनों तक निगरानी में रहेंगे। डॉक्टरों ने कहा कि स्वयंसेवकों का चयन निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया गया था, क्योंकि वे स्वस्थ होने चाहिए थे। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि रविवार को राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,757 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या 18,52,266 तक पहुंची। वहीं, 40 मरीजों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 47,734 हो गई।

किसान आंदोलन पर पवार की मोदी सरकार को चेतावनी

शरद पवार ने कहा, 'पंजाब और हरियाणा के किसान गेंहू और धान के मुख्य उत्पादक हैं और वे प्रदर्शन कर रहे हैं। अगर स्थिति का समाधान नहीं किया गया तो जल्द ही देशभर के किसान उनके साथ शामिल हो जाएंगे। जब बिल पास किया जा रहा था, हमने सरकार से गुजारिश की थी कि उन्हें जल्दबाजी नहीं दिखानी चाहिए।' कृषि बिल को लेकर शरद पवार बोले, 'बिल को चयन समिति के पास भेजा जाना चाहिए था और उस पर चर्चा की जरूरत थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ और बिल पास कर दिया गया। अब सरकार को वही जल्दबाजी भारी पड़ रही है।' इससे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री और तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने किसानों के भारत बंद को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार कृषि कानूनों को रद्द नहीं करती, तब तक लड़ाई जारी रखने की जरूरत है। टीआरएस ने आधिकारिक हैंडल से किए गए ट्वीट में कहा, 'केंद्र द्वारा लाए गए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के संघर्ष को केसीआर ने समर्थन दिया।' केसीआर ने याद दिलाया कि टीआरएस ने संसद में कृषि बिलों का विरोध किया था क्योंकि यह एक तरह से किसानों के हितों को नुकसान पहुंचाता हैं। केसीआर का मानना है कि लड़ाई को तब तक जारी रखने की जरूरत है जब तक कि नए कृषि कानूनों को रद्द नहीं किया जाता। कांग्रेस ने ऐलान किया है कि वह 8 दिसंबर को भारत बंद का समर्थन करेगी। इसके अलावा लेफ्ट पार्टियों ने भी एक संयुक्त बयान जारी कर भारत बंद का खुलकर समर्थन किया। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी), तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस), राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) ने भी राष्ट्रव्यापी बंदी का साथ देने का फैसला किया है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने भी बंद के समर्थन का ऐलान किया है। बता दें कि पंजाब-हरियाणा के किसानों ने कृषि कानून के खिलाफ 26-27 नवंबर को दिल्ली चलो मार्च का ऐलान किया था। किसानों के दिल्ली की तरफ बढ़ते कदमों को देखते हुए दिल्ली की सीमाएं सील कर दी गई थीं। इसके बाद किसान दिल्ली बॉर्डर पर ही डट गए। पुलिस और किसानों के बीच झड़प भी सामने आई। किसानों को रोकने के लिए उन पर वाटर कैनन और आंसू गैस भी छोड़ी गई। इन किसानों को समर्थन देने के लिए भी कई लोग आगे आए हैं। इस बीच सरकार और किसान संगठनों के बीच 5 बार बातचीत भी हो चुकी है लेकिन हर बार यह बेनतीजा रही।

लालबाग इलाके में सिलिंडर ब्लास्ट

उन्होंने बताया कि गणेश गल्ली इलाके स्थित साराभाई बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर में सुबह 7 बजकर 20 मिनट पर आग लग गई थी। अधिकारी ने बताया, यह लेवल वन (हल्की) आग थी। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घटना में कुल 20 लोग घायल थे, जिनमें से 12 का केईएम अस्पताल में इलाज चल रहा है जबकि चार को ग्लोबल अस्पताल भेजा गया है। घटनास्थल पर दो टैंकर लगाए गए थे और अब स्थिति कंट्रोल में है।

छत्तीसगढ अंम्बिकापुर में डॉ बाबासाहाब अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रध्दांजली

आदिवासी समाजसेवक और रायटर,नामदेव ज्ञानदेव भोसले, अंम्बिकापुर के पोलीस महानिरीक्षक मा.रतन लाला डांगी और अंम्बिकापुर केंद्रीय जेल के पोलीस अधीक्षक मा. राजेंद्र कुमार गायकवाड इनकी उपस्थित कार्यक्रम हुवा। छत्तीसगढ अंम्बिकापुर मे डॉ बाबासाहाब अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रध्दांजली समय आदिवासी समाजसेवक और रायटर,नामदेव ज्ञानदेव भोसले, अंम्बिकापुर के पोलीस महानिरीक्षक मा.रतन लाला डांगी और अंम्बिकापुर केंद्रीय जेल के पोलीस अधीक्षक मा.राजेंद्र कुमार गायकवाड. इनकी उपस्थित कार्यक्रम हुवा, डॉक्टर बाबा साहब अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि। युवाओं के लिए उनके द्वारा दिया गया संदेश आज भी प्रासंगिक है। कठिन परिश्रम से ही सफलता मिलती है। यदि वंचित समाज के दृष्टिकोण से सोचे तो उनके पास बहुत सीमित संसाधन है। उसी के अनुसार इंसान को शुरू में छोटे-छोटे कार्य या जिम्मेदारियॉ हाथ में लेनी चाहिए और उन्हें सफलतापूर्वक संपन्न करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। युवाओं की शिक्षा ऐसी होनी चाहिए कि सभी छात्र विश्व को प्रभावित कर सके, केवल स्नातक होकर संतुष्ट नहीं हो। जब तक आप अपने कार्य क्षेत्र में अपनी चमक नहीं दिखाएंगे तब तक आपको कहीं भी मान्यता नहीं मिलेगी। समाज में अपना स्थान पाने के लिए आत्मविश्वास प्राप्त करना पड़ेगा। आत्मविश्वास से बड़ी कोई अलौकिक शक्ति नहीं है।

पांचवें दौर की बैठक में भी नहीं बनी बात, किसान अड़े, बोले-

संशोधन नहीं रद्द हों कानून

संवाददाता

नई दिल्ली

गतिरोध दूर करने के लिए शनिवार को हुई पांचवें दौर की बैठक में किसानों ने कृषि कानूनों में संशोधनों के प्रस्ताव को खारिज करते हुए सरकार को दो टूक कह दिया कि इन कानूनों को रद्द किया जाए। उन्होंने सरकार के साथ बैठक में साफ कहा कि वो उन्हें वता दे कि कानून रद्द करेगी अथवा नहीं, इस पर केंद्रीय मंत्रियों ने किसानों को मनाने के क्रम में कहा कि सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करना चाहती है।

किसानों ने वैठक में यह भी कहा कि वैठकों में भाषण तो वहुत हो गए, ठोस कुछ भी नही हुआ है और वह रिजल्ट चाहते हैं। सरकार ने 9 दिसम्वर को फिर से वैठक का प्रस्ताव दिया है। किसानों ने आंदोलन से वच्चों और वुजुर्गों को हटाने की सरकार की अपील भी अस्वीकार कर दी है। उन्होंने सरकार को कहा कि चाहे वो वल का प्रयोग करे, किसान पीछे नहीं हटेंगे, उनकी कई महीनों तक आंदोलन करने की तैयारी है। इस पर भी केंद्रीय मंत्री शांत वने रहे।

वच्चे भी कूदे : सिंघु वॉर्डर पर शनिवार को विरोध प्रदर्शन करते किसानों के वच्चे।

किसानों के साथ वैठक से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और रेल मंत्री पीयूष गोयल की वैठक हुई थी। इस वैठक में मंत्रियों ने प्रधानमंत्री को कहा कि किसान नेताओं को मनाने के प्रयास जारी हैं और इसके लिए पंजाव के भाजपा नेताओं को भी लगाया गया है।

चालीस किसान नेताओं के साथ हुई वैठक में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, रेल मंत्री पीयूष गोयल, राज्य मंत्री सोम प्रकाश शामिल हुए। अगर पिछली वैठक से तुलना की जाए तो इस वैठक का माहौल अधिक अच्छा नहीं रहा। किसान नेताओं ने वैठक में कई वार तल्खी दिखाई। किसान नेताओं ने इस वार की वैठक में सरकार का भोजन नहीं किया। इस वार कुछ किसान नेता नहीं, वल्कि सभी ने लंगर से मंगाया भोजन जमीन पर वैठकर ग्रहण किया। इस दरम्यान सरकार के प्रतिनिधि किसानों को मना नहीं पाई।

दिल्ली बॉर्डर पर बढ़ रहा जमावड़ा

नई दिल्ली (एसएनबी)। नए कृषि कानूनों के विरोध में पंजावहरियाणा समेत देश के दूसरे राज्यों से आए किसानों का जमावड़ा दसवें दिन भी दिल्ली के सिंघु, टिकरी और गाजीपुर वार्डर पर डटा रहा। शनिवार को भी इन तीनों ही वॉर्डरों पर किसानों की संख्या में इजाफा देखने को मिला। अव हरियाणा, पंजाव के अलावा गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी समेत देश कई अन्य राज्यों से किसान दिल्ली के वॉर्डरों पर पहुंच रहे हैं।

कृषि मंत्री बोले, समाधान के लिए सुझावों का इंतजार

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार कई वार एमएसपी जारी रहने के विषय में अपना संकल्प दोहरा चुकी है। अगर फिर भी किसानों को कोई शंका है तो सरकार उसे दूर करने के लिए तैयार है।

कृषि मंत्री ने कहा कि एपीएमसी एक्ट राज्य का है, राज्य की मंडी को प्रभावित करने का केंद्र का इरादा नहीं है। सरकार केवल एपीएमसी को मजवूत करना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार इस विषय पर भी किसानों की गलतफहमी का समाधान करने को तैयार है। कृषि मंत्री ने कहा कि वैठक में उम्मीद थी कि शंकाओं वाले विषयों पर किसान नेताओं से कुछ सुझाव स्पष्टता से मिल जाएं पर ऐसा हो नहीं सका, इसीलिए 9 तारीख को फिर वैठक होगी। उन्होंने कहा कि किसान नेताओं के सुझाव मिल जाते हैं तो समाधान का रास्ता निकालना आसान होता। कृषि मंत्री ने कहा कि ठंड है, इसलिए वुजुर्ग और वच्चों को घर भेजने का किसान संगठनों से आग्रह है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पूरी तरह किसानों के प्रति प्रतिवद्ध थी, है और रहेगी।

आंध्र प्रदेश में नई मुसीबत

पश्चिम गोदावरी जिले में 290 से ज्यादा लोग अनजान बीमारी की चपेट में, एक की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश में पश्चिम गोदावरी जिले के एलुरु में फैली अनजान बीमारी की चपेट में आने वालों की संख्या 290 हो गई है। एक शख्स की मौत भी हो चुकी है। इस बीमारी के मरीज जिले के अलग-अलग इलाकों में शनिवार रात को सामने आना शुरू हुए। रविवार सुवह तक इनकी संख्या 170 और शाम होते-होते 290 से ज्यादा हो गई। हालांकि, इनमें से 140 लोगों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। एलुरु के गवर्नमेंट हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. मोहन ने बताया कि बीमार पड़ने वालों की संख्या बढ़ रही है। शनिवार रात से रविवार सुवह तक हमारे यहां लगभग 140 लोगों को भर्ती किया गया। मरीजों में चक्कर आने, सिरदर्द और मिर्गी जैसे लक्षण दिख रहे हैं। इसका कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस

बीच, विजयवाड़ा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराए गए 45 साल के एक शख्स ने दम तोड़ दिया। उन्हें सुवह उल्टी और मिर्गी के लक्षण दिखाई देने के बाद भर्ती किया गया था। डॉक्टरों की स्पेशल टीमों को एलुरु भेजा गया है। वे घर-घर जाकर मरीजों की पहचान कर रही हैं। डॉक्टरों ने बताया कि सभी मरीजों के ब्लड, खाने और पानी के सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हैं। अब तक उनकी रिपोर्ट नहीं आई है। सभी मरीजों की सीटी स्कैन और एक्सरे रिपोर्ट नॉर्मल आई है। हैरानी की बात यह है कि सभी मरीज अलग इलाकों के रहने वाले हैं। उनका आपस में कोई कॉन्टैक्ट नहीं है और हाल में वे किसी समारोह में शामिल भी नहीं हुए हैं। इसके बावजूद सभी में एक जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। 76 महिलाओं और 46 बच्चों समेत बाकी मरीजों का इलाज चल रहा है। छह साल की एक बच्ची को सीरियस हालत में विजयवाड़ा रेफर किया गया है। वहां एमरजेंसी मेडिकेयर सेंटर तैयार किया गया है। ज्यादातर मामले कोब्बारी थोटा, कोथापेटा, तोरपु वीधी और अरुंधति पेटा से सामने आए हैं।

डिप्टी सीएम ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं: प्रदेश के डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री अला काली कृष्णा ने कहा कि हालात अब कंट्रोल में है। सभी तरह की मेडिकल सुविधाएं मरीजों को मुहैया कराई जा रही हैं। ज्यादातर मरीज कुछ देर में ठीक हो गए। कुछ को बेहतर इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में एडमिट किया गया है। शुरुआत में लग रहा था कि यह समस्या पानी की वजह से हुई है। जांच में ऐसा सामने नहीं आया। अस्पतालों का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। मरीजों के लिए विजयवाड़ा के सरकारी अस्पताल में 50 बेड रिजर्व रखे गए हैं। डॉक्टरों की टीम हर एक मरीज को अटेंड कर रही है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी भी सोमवार को एलुरु जाएंगे। गवर्नर विश्व भूषण हरिचंदन ने अधिकारियों से कहा कि वे प्रभावित लोगों को बेहतर इलाज मुहैया कराएं।

डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया में फिर किया जीतने का झूठा दावा

संवाददाता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में हुए शीर्ष पद के चुनाव में जॉर्जिया में एक बार फिर जीत का झूठा दावा किया। ट्रंप ने रिपब्लिकन सीनेटरों केली लोएफलर और डेविड पर्ड्यू के लिए जॉर्जिया में प्रचार करते हुए झूठा दावा किया कि उन्होंने राष्ट्रपति पद के चुनाव में राज्य में जीत हासिल की है। ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव के बाद पहली रैली में कहा, हमें पता है कि हमने जॉर्जिया में जीत हासिल की है। यह बात आप समझते हैं। वास्तविकता में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने करीब 12,500 मतों के अंतर से जॉर्जिया में चुनाव जीता था। ट्रंप ने कहा कि वह

दोनों रिपब्लिकन नेताओं की जीत सुनिश्चित करने के लिए जॉर्जिया आए हैं, जो अमेरिका के इतिहास में सीनेट के लिए संभवतः सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला है। प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने रैली की शुरूआत में जॉर्जिया के लोगों से कहा कि इस समय यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण है कि आप एक नागरिक के तौर पर अपने अधिकारों का इस्तेमाल करें और मतदान करें। जॉर्जिया में एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर बताया कि रैली से पहले ट्रंप ने जॉर्जिया के गवर्नर को शनिवार को फोन कर राज्य में राष्ट्रपति पद के चुनाव का परिणाम पलटने के लिए विधानसभा का एक विशेष सत्र बुलाने की अपील की थी। गवर्नर ब्रियान केंप ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया।

फाइजर ने भारत में अपनी कोरोना वैक्सीन उतारने की मांगी इजाजत

नई दिल्ली। ब्रिटेन और बहरीन की तरफ से फाइजर कंपनी की कोरोना वैक्सीन के उपयोग की अनुमति दिए जाने के बाद अब कंपनी ने भारत में भी इसे उतारने की अनुमति मांगी है। कंपनी की भारतीय इकाई फाइजर इंडिया ने भारतीय औषध महानियंत्रक (डीसीजीआई) से आपातकालीन उपयोग प्राधिकार (ईयूए) के तहत देश में अपनी कोविड-19 वैक्सीन उतारने की अनुमति मांगी है। इसी के साथ फाइजर इंडिया कोविड-19 वैक्सीन के लिए डीसीजीआई के पास आवेदन दाखिल करने वाली पहली कंपनी बन गई है। दवा नियामक को 4 दिसंबर को सौंपे गए अपने आवेदन में कंपनी ने देश में बिक्री और वितरण के लिए कोविड-19 (कोरोना वायरस) वैक्सीन आयात करने की अनुमति मांगी है। इसके अलावा नए औषध व चिकित्सकीय ट्रायल नियमों-2019 के विशेष प्रावधानों के तहत भारतीय आबादी पर नैदानिक परीक्षणों की अनिवार्यता से भी छूट देने का आग्रह किया है। एकसूत्र के मुताबिक, कंपनी ने सीटी-18 फार्म पर दाखिल ईयूए प्रार्थना पत्र में फाइजर-बायोएनटेक की कोविड-19एमआरएनए वैक्सीन बीएनटी162बी2 को देश में आयात करने और बेचने की इजाजत मांगी है। ब्रिटेन ने इस वैक्सीन को बुधवार को अनुमति दी थी। साथ ही इस वैक्सीन को 95 फीसदी सफलता मिलने का दावा किया था। लेकिन माइनस 70

डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखने की बाध्यता फाइजर की वैक्सीन के भारत में सफल होने को लेकर विशेषज्ञ संदिह जताते रहे हैं। ऐसे में यहां वैक्सीन उतारने के बाद उसकी व्यवस्था करना कंपनी के लिए बड़ी चुनौती रहेगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समस्तीपुर हलचल

15 जनवरी तक वायदा के अनुसार सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दिया तो आगामी विधानसभा सत्र को ठप्प करेगा नौजवान : नीरज कुमार

कल्याणपुर। इंकलाबी नौजवान सभा (इनौस) जिला कमेटी के नेतृत्व में बासुदेवपुर पंचायत भवन कार्यालय के प्रांगण में आयोजित 'रोजगार नहीं तो सरकार नहीं' युवा कन्वेंशन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव नीरज कुमार ने कहा कि बिहार सरकार ने चुनाव के दौरान युवाओं को 19 लाख रोजगार देने की गारंटी करना होगा। नहीं तो आगामी बजट सत्र में प्रदेश के नौजवान विधानसभा सत्र को ठप्प कर सड़कों पर संघर्ष करने का काम करेगा। इनौस नेता ने कहा कि किसानों के खिलाफ कोरोना काल में तीन काला कानून पारित कर खेती को भी कम्पनी राज के हवाले करने पर उतारू है। हम किसानों के आंदोलन को सक्रिय समर्थन देते हुए 8 दिसंबर 20 को किसानों के द्वारा भारत बंद को सड़कों पर उतर कर सफल बनाने का काम करेगा। उन्होंने ने कहा कि देश के युवाओं को 50 प्रतिशत

रोजगार केवल रेलवे से मिलता था जिसे मोदी की सरकार कम्पनियों को बेच कर युवाओं के रोजगार पाने का अधिकार से वंचित करने का काम किया है। इनौस के प्रदेश अध्यक्ष सुधीर कुमार ने कहा कि बिहार में बेरोजगारी एक बड़ा समस्या है जिसको हल करने के लिए चुनाव में केवल वायदा किया जाता है और फिर बाद में भुला दिया जाता है लेकिन इस बार सरकार को युवाओं के मुद्दे पर चौतरफा घेराबंदी करने का काम इनौस करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पहले तो 19 लाख सरकारी नौकरी देने की गारंटी करे साथ ही नौकरी पाने से बंचित नौजवान को 10 हजार रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता देने की गारंटी करे। इस बात को लेकर इनौस हर पंचायत और प्रखंड में युवाओं का सम्मेलन आयोजित करेगा। कन्वेंशन की अध्यक्षता इनौस के जिला अध्यक्ष राम कुमार और संचालन आसिफ होदा ने किया। कन्वेंशन को भाकपा-माले के जिला सचिव उमेश कुमार, वारिसनगर से महागठबंधन में माले प्रत्याशी फूलबाबू सिंह, कल्याणपुर से रंजीत राम, भीम आर्मी के दरभंगा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार राम, दरभंगा इनौस जिलाध्यक्ष केसरी यादव, इनौस नेता मनोज कुमार राय, अनिल चौधरी, मो० अलाउद्दीन, चंद्रवीर कुमार,कृष्ण कुमार, दिनेश कुमार सिंह, मो० नौशाद तौहिदी,मो० एजाज,संजय कुमार शर्मा, अरशद कमाल बब्लू, मो० कमालुद्दीन, संतोष कुमार,अशरफ जमाल डब्लू, मो० अनस और शिवनाथ महतो आदि ने संबोधित किया।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर विद्यार्थी परिषद ने निकाला संदेश यात्रा

समस्तीपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर नगर इकाई द्वारा नगर सहमंत्री अमरजीत कुमार के नेतृत्व में बाबा साहेब भीमराव रामजी अंबेडकर जी की पुण्यतिथि सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे शहर में संदेश यात्रा निकाली गई संदेश यात्रा परिषद कार्यालय से निकलकर शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए एसडीओ ऑफिस के पास पहुंचा जहां अंबेडकर जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर जिला संयोजक अनुपम कुमार झा ने कहा कि बाबा साहब बहुत ही दूरदर्शी व्यक्ति थे बाबासाहेब भारत की एकता एवं अखंडता के लिए समर्पित थे वह सामाजिक समानता के पक्षधर थे हम सभी छात्रों को बाबा साहब के विचारों को अपने जीवन में उतारना चाहिए एवं उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। मोके पर आसिफ इकबाल जैन, कुंदन यादव, कौशल झा, रणधीर कुमार, रौशन आनंद, मनीष कुमार, राधे श्याम झा, केशव माधव, विशाल यादव, अमरेश कुमार, प्रशांत झा आदि मौजूद थे।

अज्ञात युवक का शव बरामद, समाचार प्रेषण तक नहीं हो सका पहचान

कल्याणपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रामभद्रपुर पंचायत के छकन टोली गांव स्थित समस्तीपुर दरभंगा रेल खंड के 32 नंबर पाया के नजदीक से पुलिस ने एक 25 वर्षीय युवक का शव बरामद किया है। लोगों का बताना है कि रविवार की सुबह गांव के ही कुछ लोग शौच करने रेलवे लाइन की ओर गए तो 32 नंबर पाया के समीप एक युवक का शव देखा। शव देखते ही लोगों ने इसकी

सूचना कल्याणपुर पुलिस को दिया। सूचना मिलते ही कल्याणपुर थाना के एएस आई परशुराम झा ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। समाचार प्रेषण तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं थाना अध्यक्ष बृज किशोर सिंह ने बताया कि शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुलढाणा हलचल

नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

बुलडाणा। नगर पालिका ने फिर से कोरोना को रोकथाम के लिए लगाए गए नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पांच दस्तों को तैनात किया है, क्योंकि शहर क्षेत्र में कोरोना की व्यापकता बढ़ने की संभावना है। सूत्रों ने जानकारी दी है कि ये दस्ते 6 दिसंबर से शुरू हैं। इन टीमों को संक्रामक रोग निवारण अधिनियम के आधार पर सक्रिय किया गया है। इन दस्तों को राज्य सरकार और केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित और कलेक्टर के आदेशों के संदर्भ में सक्रिय किया गया है। प्रकाश केसकर, सुभम मेश्राम,योगेश कुंदनगार, श्रीकांत पवार आणि राजेश भालेराव टीमें उनके नेतृत्व में काम करती रहेंगी। ये दस्ते मुख्य रूप से फिजिकल डिस्टेंसिंग के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। सूत्रों ने कहा कि दूसरी तरफ, दस्ते उन व्यापारियों के खिलाफ भी कार्रवाई करेंगे, जो दुकानों में फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करने से इनकार करते हैं। यह टीम जयस्तंभ चौक से लेकर डॉल्फिन रोड, जंभरुन रोड, बस स्टैंड परिसर, संगम चौक, त्रिशरण चौक, ढाड रोड, चिखली रोड, बोधा रोड, सर्कुलर रोड, चिंचोल चौक, जनता चौक, मार्केट लाइन और करंजा चौक तक काम करेगी।

किसानों के आत्मसम्मान के लिए भारत बंद में बड़ी संख्या में भाग लें: जयश्रीताई शेलके

बुलाडणा। दिल्ली में चल रहे आंदोलन में किसानों की मांगों को स्वीकार करने के बजाय, केंद्र की भाजपा सरकार सिर्फ समय बर्बाद कर रही है। परिणामस्वरूप, किसान बहुत नाराज हैं और 8 दिसंबर को देशव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। महिला कांग्रेस की महासचिव जयश्रीताई शेलके ने जिले के लोगों से किसानों के स्वाभिमान के लिए इस आंदोलन में बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है। पिछले दस दिनों से लाखों किसान दिल्ली सीमा पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और वित्त राज्य मंत्री सोमप्रकाश सहित 40 किसान प्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक हुई, कोई समझौता नहीं हुआ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) ने समय-समय पर विरोध प्रदर्शनों का मंचन करते हुए कहा कि, केंद्र सरकार द्वारा पारित तीनों कानून किसान विरोधी हैं। पहले भी समय-समय पर आंदोलन हुए हैं। सरकार उनकी मांगों के प्रति उदासीन है और केवल समय बर्बाद कर रही है, जिससे आंदोलनकारी किसान नाराज हैं।

बुलडाणा जिले मे 78 कोरोना मरीजों का ईजाफा, सफल उपचार के बाद 64 डीस्चार्ज, एक ने दम तोडा

बुलढाणा। जिले मे कोरोना के मामले धीमि गती से आगे बड रहे है। आज स्वास्थ्य विभाग की और से नियमत जारी बुलेटिन के मुताबिक 781 लोगों की जांच रिपोर्ट में 703 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जबकि 78 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। आज जिले मे सफल उपचार के बाद 64 लोग घर लौट गए है। जिससे जिले में कोरोना मरीजों संख्या का ग्रीफ निचे आरहा है। वही आज उपचार के दौरान 63 वर्षीय पुरुष की मृत्यु होगई है। अब तक जिले मे 78371 रिपोर्ट निगेटिव्ह प्राप्त हुवी है। 11119 कोरोनाबाधीत कोरोना निगेटिव्ह होने पर वैद्यकीय प्रोटोकॉल के अनुसार झुट्टी दे दि गई है। जिले मे कोरोना संक्रमित का आंकडा 11570 तक पहुंच गया है। फिलहाल जिले मे 303 कोरोना बाधीत मरीजो का उपचार शुरू है। कोरोना बिमारी से जिले मे अब तक 138 लोगों कि मृत्यू हो चुकी है .ऐसी जानकारी उप जिला अधिकारी ने दी है।

राजस्थान हलचल

जमीअत उलमा बीकानेर का एक और सराहनीय कदम, जमीअत के सहयोग से 2 और शादियां सम्पन्न

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हुसैन

बीकानेर। जमीअत उलमा ए हिन्द मुसलमानों का एक अग्रणी संगठन है जो 1919 से लगातार देश सेवा और मानव सेवा के लिए समर्पित है, मुल्क की आजादी से लेकर अबतक पीड़ित और कमजोर लोगों की मदद करने के साथ उनको इंसाफ दिलाने तक उनके साथ खड़ा रहता है,देश-भर में जमीअत उलमा-ए-हिन्द की शाखाएँ हैं जो खिदमते खल्क को मिशन बनाकर काम करते रहते हैं उन्हीं में से बीकानेर की शाखा भी है जिसके कार्यकर्ता पिछले कई सालों से काम कर रहे हैं, खासकर इस कोरोना काल में जमीअत उलमा बीकानेर की तरफ से कई तरह के कार्य किये गए, उन्ही में से एक कमजोर और गरीब लोगों की बच्चियों की शादिया करवाना या उनकी शादी में सहयोग करना भी है,जमीअत उलमा के पदाधिकारी अब्दुल कय्यूम खिलजी बताते हैं कि हमने संगठन के सहयोग से कोरोना काल मे 6 शादियाँ करवाई है जिसमे 3 तीन शादियों में शादी का

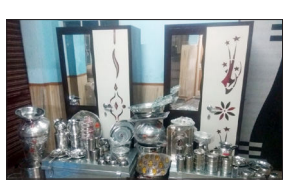

पूरा खर्च और दूसरी 3 में जरूरत का कुछ सामान दिया गया,आज की 2 शादियों में एक-एक अलमारी,एक-एक बॉक्स और 31 बर्तनों का 1-1सेट दिया, जमीअत उलमा के ऑफिस सेक्रेट्री मोहम्मद राशिद कोहरी ने बताया कि हमने कोरोना काल में राशन सामग्री और नकद रुपये भी तकसीम किये इसके अलावा पिछले कई सालों से हर महीने कुछ परिवारों को कच्ची राशन सामग्री भी दे रहे हैं, जमीअत उलमा के मेडिकल हैल्प सदस्य सैयद इमरान ने कहा कि पिछले कई सालों से रक्तदान शिविर आयोजित करते रहे हैं इसके साथ ही हमारी इस कोरोना काल में पूरे बीकानेर में एक बड़ी और मजबूत पहल यह थी कि बीकानेर में प्लाजमा थैरेपी शुरू होते ही सबसे पहले मानवता के सहयोग के लिए फर्स्ट डोनर से लेकर अबतक 42 प्लाज्मा डोनर्स दिए हैं इसके अलावा कई जरूरतमंदों की दवाई और जाँचो में भी सहयोग रहता है, जमीअत उलमा के जनरल सेक्रेट्री मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी ने बताया कि कोरोना के इस दौर में जमीअत उलमा ए हिन्द के राष्ट्रीय अध्यक्ष हजरत मौलाना सैयद अरशद मदनी साहब ने देश भर के अपने तमाम कार्यकर्ताओं को सन्देश देते हुए कहा था कि मजहब से ऊपर उठकर हर पीड़ित और कमजोर की दिल खोलकर मदद करो,उसी दिन से बीकानेर शाखा के तमाम कार्यकर्ताओं ने इन 7-8 महीनों में हर एतबार से लोगों की मदद करने की कोशिश की, बहरहाल हम इसके लिए अल्लाह का शुक्र अदा करते हैं कि जिसने हमे इन नेक और अच्छे कामों की तौफीक दी और उन सभी साथियों और दोस्तों का भी शुक्रिया अदा करते हैं जो हर अच्छे काम में हमारा सहयोग करते रहते हैं।

मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी
जनरल सेक्रेट्री जमीअत उलमा बीकानेर

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अर्थराइटिस का दर्द सताए तो ये 5 एक्सपर्ट टिप्स अपनाएं

अर्थराइटिस को आमतौर पर बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था, लेकिन आज के दौर में इससे कोई भी अछूता नहीं है। यह विकार जोड़ों और मांस पेशियों को प्रभावित करता है। दर्द वह लक्षण है, जो शरीर में किसी समस्या के होने की पुष्टि करता है। ऐसे में मरीज के पैरों में और हड्डियों के जोड़ों में तेज दर्द होता है जिससे चलने-फिरने में भी तकलीफ हो सकती है। कुछ प्रकार के अर्थराइटिस में शरीर के विभिन्न अंग भी प्रभावित होते हैं, ऐसे में दर्द के साथ दूसरी समस्याएं भी हो सकती हैं। इस बिमारी के सामान्य लक्षण हैं: जोड़ों में दर्द, सूजन और जोड़ों को मोड़ने में असमर्थता होना।

अर्थराइटिस से बचाव

अपना वजन कम रखें क्योंकि ज्यादा वजन से आपके घुटने तथा कूल्हों पर दबाव पड़ता है। कसरत तथा जोड़ों को हिलाने से भी आपको मदद मिलेगी। जोड़ों को हिलाने में आप डाक्टर या नर्स भी आपकी मदद कर सकते हैं।
समय-समय पर अपनी दवा लेते रहें। इनसे दर्द और अकड़न में राहत मिलेगी।
सुबह गरम पानी से नहाएं।
डाक्टर से समय-समय पर मिलते रहें।

सावधानी

आर्थराइटिस के मरीज को अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना चाहिए। प्रतिदिन सामान्य व्यायाम करना चाहिए लेकिन दर्द के समय व्यायाम बिलकुल नहीं करना चाहिए। अर्थराइटिस से बचने का सबसे आसान उपाय है, दर्द को नियंत्रित करने का हर संभव प्रयास करना। दर्द को नियंत्रित करने के लिए स्वस्थ आहार लें और नियमित रूप से व्यायाम करें। तेज दर्द होने पर चिकित्सक की सलाह अनुसार दवा लें।

अर्थराइटिस का इलाज

आमतौर पर लोग गठिया और जोड़ों के दर्द से परेशान होकर दर्द निवारक दवाओं की मदद लेते हैं। लेकिन यही काफी नहीं होता। इसके लिए डॉक्टर की सलाह से खास दवाएं लेनी होती हैं। इनसे जोड़ों के दर्द से होने वाले दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। ऐसे मरीजों को फिजियोथैरेपी और कसरत का सहारा भी लेना पड़ता है। इसके अलावा रूमेटॉयड अर्थराइटिस के मरीजों को चाहिए कि वे हमेशा खुद को व्यस्त और शारीरिक तौर पर सक्रिय रखें।

लेकिन बीमारी का असर तेज होने पर ऐसा करना ठीक नहीं होगा। जब जोड़ों में ज्यादा दर्द, सूजन या जलन हो तो आराम करें। ऐसे में हल्के व्यायाम से जोड़ों की अकड़न कम हो सकती है। टहलना, ऐरोबिक्स और मांसपेशियों की हल्की कसरत भी मरीज को आराम देती है।

गर्मी की बदबू से राहत दिलाएंगे घर पर आसानी से बनने वाले ये डियो

गर्मी के मौसम में पसीना ज्यादा आने के कारण अंडरआर्म्स से बदबू की समस्या आम है। इस बदबू से राहत पाने के लिए आप भी डियो, परफ्यूम या स्टिक का इस्तेमाल करते होंगे। लेकिन ये बात तो आप भी जानते होंगे कि बाजार में बिकने वाले इन डिओज में बहुत सारे केमिकल्स मौजूद होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं। डिओ में मौजूद एल्कोहल से कई बार त्वचा जलने लगती है और इससे अंडरआर्म्स के काले होने का भी खतरा होता है। इसलिए बाजार में बिकने वाले हानिकारक केमिकल्स की जगह अगर आप घर पर बने हुए नैचुरल डिओ का इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा को नुकसान भी नहीं होगा और इसे बनाना भी बहुत आसान है। आइये आपको बताते हैं कि आप घर पर डिओ कैसे बना सकते हैं।

नैचुरल डिओ के फायदे

कुदरती डियोड्रेंट का आपकी त्वचा पर किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं होता। इसके साथ ही आपको अपनी मनपसंद गंध का आनंद भी मिल जाता है। तो, रेशेज और जलन से खुद को बचाने के लिए आप डियोड्रेंट के कुदरती रूपों के बारे में जरूर विचार करें। ये डीआईवी डियोड्रेंट न केवल कारगर हैं, बल्कि इसके साथ ही इनमें टॉक्सिन नहीं होते। इतना ही नहीं ये आपकी जेब पर भी बहुत भारी नहीं पड़ते।

कोकोनट ऑयल डिओ

कोकोनट ऑयल से बना डिओ आपकी त्वचा को नुकसान भी नहीं पहुंचाता है और स्किन को हाइड्रेट भी रखता है। इसके अलावा इससे आप पसीने की बदबू से भी देर तक राहत पा सकते हैं। इसके लिए आपको तीन चम्मच नारियल का तेल, तीन चम्मच बेकिंग सोडा, 2 चम्मच शीया बटर, 2 अरारोट और कुदरती तेल लेना है। अब शीया बटर और नारियल तेल को थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पिघला लें। इसके बाद उसमें बेकिंग सोडा, अरारोट को अच्छी तरह मिला लें। इसमें कुछ कुदरती तेल मिलायें और इस मिश्रण को ग्लास कंटेनर में रख दें। इस मिश्रण्ज्ञ को ठंडा होने दें। अब अपनी डियो स्टिक निकालें, आप डियोड्रेंट इस्तेमाल के लिए तैयार है।

टी ट्री ऑयल डिओ

टी ट्री ऑयल चाय के पेड़ से प्राप्त होने वाला एक तरह का तेल है जो बहुत गुणकारी होता है। इसमें एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण होते हैं इसलिए ये जर्म्स और बैक्टीरिया को मारता है। ये त्वचा को हाइड्रेट रखता है और नैचुरल मॉश्चराइजर की तरह काम करता है। इसके अलावा इसकी खुश्बू भी बहुत मनमोहक होती है। इसे बनाने के लिए आपको ग्रेन एथिल एल्कोहल और टी ट्री ऑयल लेना है। अब ग्रेन एथिल एल्कोहल को एक स्प्रे बोतल में डालें और उसमें 10 बूंदें टी-ट्री ऑयल की डालें। इसे अच्छी तरह से मिला लें और इसे अपनी बगलों में स्प्रे करें। आप चाहें तो एल्कोहल की गंध को हल्का करने के लिए इसमें इसमें पिपरमिंट, लेवेण्डर अथवा नींबू का तेल भी मिला सकते हैं।

इस डिओ के फायदे

बाजार में मिलने वाले बॉडी स्प्रे वास्तव में पसीने निकालने वाली ग्रंथियों को बंद कर देती हैं, जिससे हमारे शरीर पर काफी बुरा असर पड़ता है। लेकिन, ये स्प्रे ऐसा नहीं करते। ये शरीर से पसीना और उसके साथ हानिकारक विषैले तत्व निकलने से नहीं रोकते। ये केवल पसीने की गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारते हैं।

वैक्स और ऑयल

इसे बनाने के लिए एक चौथाई कप कॉर्न स्टार्च, एक चौथाई कप बेकिंग सोडा, 3 चम्मच ऑयल, एक चम्मच मधुमक्खी के छत्ते से निकला मोम (बीवेक्स), पांच बूंदें टी ट्री ऑयल और अन्य कुदरती तेल।
एक बर्तन में नारियल के तेल और बीवेक्स को अच्छी तरह पिघला लें। अब इसमें बाकी सब उत्पाद डाल लें। तब तक अच्छी तरह हिलाते रहें जब तक पेस्ट में झाग न बन जाए। इस पेस्ट को एक पुराने डियो स्टिक में डाल दें। अब इसे सामान्य तापमान पर छोड़ दें। आप देखेंगे कि कुछ ही समय में वह डियो स्टिक जम गयी है और इस्तेमाल के लिए तैयार है। ये डियोड्रेंट आपके काफी पैसे बचाते हैं और आपको सारा दिन ताजा रखते हैं। ये डियोड्रेंट इन गर्मियों में पसीने की गंध से लड़ने का स्मार्ट तरीका हैं। इससे न तो आपकी जेब पर ही असर पड़ता है और साथ ही आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहती है।

स्ट्रीट फूड या हैवी दावत खाने के बाद कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोग अक्सर फूड प्वाजिंग के शिकार हो जाते हैं। फूड प्वाजिंग में दस्त, उल्टी, एसिडिटी और सीने में जलन जैसी समस्याएं होने लगती है। ऐसी स्थिति अगर रात के समय हो जाए तो एकदम से डाक्टर के पास जाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे समय में घरेलू नुस्खे काफी मददगार साबित होते हैं।

फूड प्वाजिंग ने कर दिया है बेहाल तो तुरंत करें ये काम

1. लहसुन

लहसुन में एंटीवायरल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं जो डायरिया और पेट दर्द से राहत दिलाते हैं। लहसुन की ताजी कलियां को गर्म पानी में उबाल लें और इस पानी को सिप-सिप करके पीएं।

2. नींबू पानी

पेट के बैक्टीरिया और एसिडिक प्रॉब्लम को खत्म करने में नींबू काफी सहायक होता है। 1 टेबलस्पून नींबू के रस में चुटकीभर चीनी मिलाएं। इस पानी को 2 से 3 बार दिन में लें। आप गुनगुने पानी नींबू निचोड़कर भी पी सकते हैं। इससे भी तुरंत आराम मिलेगा।

3. एप्पल साइडर वीनेगर

ग्रैस्ट्रिक प्रॉब्लम से तुरंत राहत पाने के लिए लिए सबसे बेस्ट नुस्खा है सेब का सिरका।एक गिलास गुनगुने पानी में 2 टेबलस्पून एप्पल साइडर वीनेगर डालें और खाने से पहले इसे पीएं। ग्रैस्ट्रिक प्रॉब्लम से राहत मिलेगी।

4. तुलसी

फूड प्वाजिंग से छुटकारा दिलाने में तुलसी भी बेस्ट हर्ब है।2 से 3 कप में मुट्ठीभर तुलसी के पत्ते उबाल लें। और इस पानी में शहद डालकर सीप सीप करके पीएं। आप दही में तुलसी के पत्ते डालकर भी खा सकते हैं।

5. जीरा

1 गिलास पानी में 1 टीस्पून जीरा उबाल लें और आप इसमें नमक मिला सकते हैं। इस पानी का सेवन दिन में 2 बार करें।

6. शहद

एसिड और अपच, खराब पेट को ठीक करने में शहद भी फायदेमंद साबित होता है। अगर आप आर्गेनिक शहद का इस्तेमाल करेंगे तो ज्यादा बेहतर है।

7. केला

उल्टी और डायरिया की प्रॉब्लम होने पर केला या बनाना मिल्क शेक बनाकर पीएं इसमें आप चुटकीभर इलायची पाऊडर मिला सकते हैं।

8. दही और मेथीदाना

पेट संबंधी कोई दिक्कत हैं तो दही में मेथीदाना मिक्स करके खाएं।

9. संतरे का रस

ताजे संतरों के जूस में मिनरल्स, विटामिन्स और अन्य पोषक तत्व भरपूर होते हैं तो ब्लड प्रैशर लेवल को कंट्रोल में रखता हैं। इस जूस का सेवन करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करीना कपूर खान की ख्वाहिश?

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। उन्होंने बीते दिनों ये खुशखबरी अपने फैन्स के साथ शेयर की थी। अब करीना कपूर का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें उन्होंने ये बताया कि उनकी ख्वाहिश है कि उन्हें बेटी पैदा हो। पिछली बार जब करीना कपूर प्रेग्नेंट थीं तो उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि इस बात का जिक्र किया था। साल 2016 में करीना कपूर ने तैमूर को जन्म दिया था। उस दौरान करीना कपूर ने कहा था कि उनके लिए बेटा बेटी एक समान हैं। करीना का कहना है कि उन्होंने अपने माता पिता के लिए एक बेटे से ज्यादा किया है। जो लड़कियों को को बराबरी का दर्जा नहीं दे पाते उन्हें ये समझना चाहिए कि महिला वह जीव है जिसे दूसरे जीव को जन्म देने का हक होता है। जब करीना कपूर दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं तो ऐसे में फिर से उनकी कही ये बाते वायरल हो रही हैं। जब उन्होंने कहा था कि वह चाहती हैं कि उन्हें बेटी हो। बता दें करीना कपूर सातवें महीने की प्रेंग्नेंट हैं। उनकी हर तस्वीर में बेबी बंप देखा जा सकता है।

अनुष्का और विराट के पास है इतनी दौलत

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा इंडिया के सबसे फेवरिट सिलेब्रिटी कपल्स में से एक हैं। इंडिया में सिनेमा और क्रिकेट दोनों को पसंद किया जाता है और इस नाते विराट और अनुष्का की लंबी फैन फॉलोइंग है। भले ही विराट और अनुष्का एकदम अलग प्रफेशन से ताल्लुक रखते हों लेकिन दोनों ही अपने-अपने प्रफेशन में इतना पैसा कमाते हैं कि इनकी संपत्ति सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। फोर्ब्स और जीक्यू के आंकडों की मानें तो जनवरी 2020 में विराट और अनुष्का की कुल संपत्ति लगभग 1200 करोड़ रुपये थी। इस हिसाब से देखा जाए तो यह इस समय सबसे अमीर सिलेब्रिटी कपल हैं। साल 2019 में फोर्ब्स की सबसे ज्यादा कमाने वाले 100 सिलेब्रिटीज की लिस्ट में विराट कोहली का भी नंबर था जिन्होंने सालभर में 252 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए थे। 2019 में विराट कोहली की कुल संपत्ति लगभग 900 करोड़ रुपये थी। उसके बाद से तो विराट कई ब्रैंड के एंडोर्समेंट और आईपीएल में भी पैसा कमा चुके हैं। आईपीएल के लिए विराट को इस साल 18 करोड़ रुपये मिले हैं और वह आईपीएल में सबसे ज्यादा रकम पाने वाले खिलाड़ी हैं।

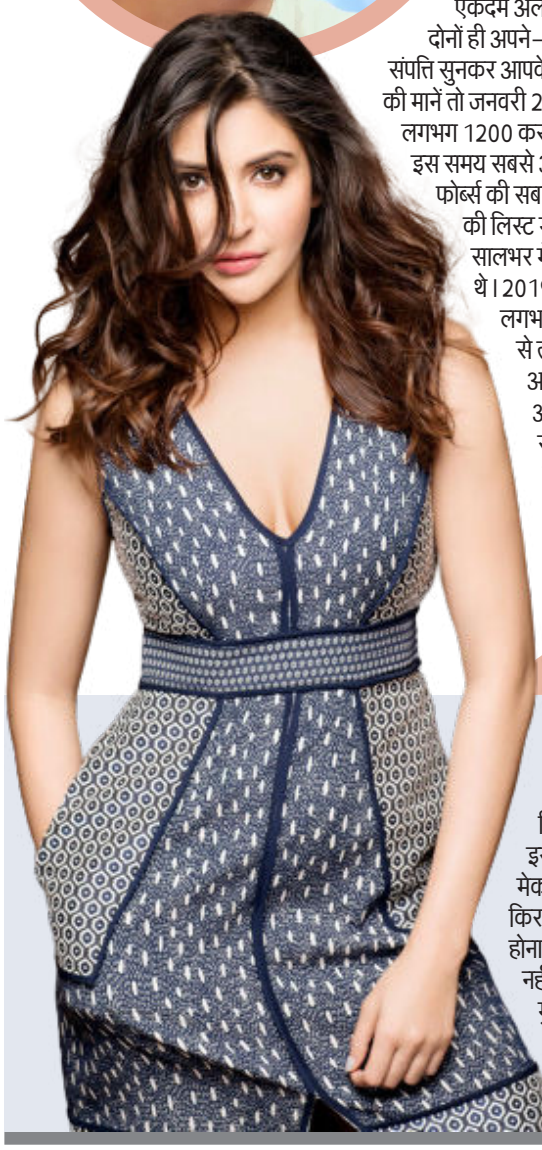

'मुन्ना भाई 3' को लेकर अरशद ने खोला बड़ा राज

'मुन्ना भाई एमबीबीएस' और 'लगे रहो मुन्ना भाई' के बाद हरकोई डायरेक्टर राजकुमार हिरानी की फिल्म 'मुन्ना भाई 3' का इंतजार कर रहा है। बीते दिनों खबरें आई थी कि राजकुमार हिरानी इस लोकप्रिय सीरीज की तीसरी किस्त पर काम कर रहे हैं। हालांकि, लगातार अटकलों के बावजूद मेकर्स ने फिल्म के बारे में अब तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। हाल ही में फिल्म में सर्किट का किरदार निभाने वाले एक्टर अरशद वारसी ने 'मुन्ना भाई 3' की रिलीज को लेकर कहा है कि ऐसा होना मुश्किल है। अरशद वारसी को लगता है कि 'मुन्ना भाई 3' के बनने की अभी कोई उम्मीद नहीं है। अरशद वारसी ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि इस पर कोई काम चल रहा है। मुझे लगता है कि आप सभी को विधु विनोद चोपड़ा और राजू के घर जाना चाहिए और उन्हें फिल्म को जल्दी शुरू करने के लिए कहना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि इस फिल्म को लेकर कोई काम कर रहा है। बहुत समय बीत चूका है और राजू इन दिनों बाकि चीजों को लेकर बिजी हैं।